DR. SUMAN LAL RAY
Guest Assistant Professor
Deptt. of Sanskrit
S.R.A.P. College, Bara Chakia
BRABU – Muzaffarpur

B.A. (Hons.) Part – I
Subject – Sanskrit
Paper – I

5×3 = 15 Marks

कारक-सूत्र-व्याख्या

पंचमी विभक्ति

23. भीत्रार्थानां भयहेतुः (1/4/25)

भी (भय) और त्रा (भय से रक्षा करना) - इन धातुओं और इनके समानार्थक धातुओं के प्रयोग में भय के हेतु (कारण) की अपादान संज्ञा होती है। जैसे- पथिकः चौरात् बिभेति (पथिक चोर से डरता है)— यहाँ भयार्थक 'भी' धातु का प्रयोग हुआ है और भय का कारण चोर है, इसलिए भय के हेतु 'चौर' की 'भीत्रार्थानां भयहेतुः' सूत्र से अपादान संज्ञा होने पर पंचमी विभक्ति आयी।

सः चौरात् त्रायते (वह चोर से रक्षा करता है) —यहाँ रक्षार्थक 'त्रै' धातु का प्रयोग हुआ है और चोर से ही रक्षा की जाती है, अतः भय के हेतु 'चौर' की उक्त सूत्र से अपादान संज्ञा होने पर पंचमी विभक्ति हुई है।